



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 383]

No. 383]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 20, 2002/श्रावण 29, 1924

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 20, 2002/SRAVANA 29, 1924

उपभोक्ता मामले, खाद्य और लोक वितरण मंत्रालय

(खाद्य और लोक वितरण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 2002

सा.का.मि. 584(अ).— केन्द्रीय सरकार, चीनी विकास निधि अधिनियम, 1982 (1982 का 4) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, चीनी विकास निधि नियम, 1983 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम चीनी विकास निधि (दूसरा संशोधन) नियम, 2002 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. चीनी विकास निधि नियम, 1983 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है), के नियम 2 में:-

(i) खण्ड (च) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड (चच) अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(चच) “पुनर्वास समिति” से ऐसी समिति अभिप्रेत है जो सहकारी क्षेत्र में ऐसे चीनी उपक्रम के, जिसने अपना शुद्ध मूल्य धीरे धीरे क्षय कर दिया है, पुनर्वास पर विचार करने और सिफारिश करने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित की गई है”;

(ii) खण्ड (ज) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड (जज) अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(जज) “संभाव्य रूप से विकासक्षम रुग्ण चीनी उपक्रम” से ऐसा चीनी उपक्रम अभिप्रेत है जो निजी या पब्लिक क्षेत्र में है, जिसके संबंध में औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड द्वारा पुनर्वास के लिए स्कीम मंजूर की गई है या जो

सहकारी सैक्टर में है जिसके संबंध में पुनर्वास के लिए समिति द्वारा पुनर्वास की स्कीम की सिफारिश की गई है ;”

3. उक्त नियमों के नियम 16 में, पहले परन्तुक के लिए, निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :-

“ परन्तु कोई चीनी उपक्रम, जिसने इस नियम के अधीन उधार का उपभोग कर लिया है, उस अवधि के दौरान जिसमें इस नियम के अधीन उधार का या नियम 21 के उपनियम (1) के अधीन किसी उधार का, उस पर ब्याज सहित, पूर्ण रूप से प्रतिसंदाय नहीं किया गया है, केवल एक अवसर पर उधार के लिए पात्र होगा ” ।

4. उक्त नियमों के नियम 16 में, पहले परन्तुक के लिए, निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :-

“ परन्तु केन्द्रीय सरकार किसी चीनी उपक्रम को उस अवधि के दौरान, जिसमें इस नियम के अधीन पूर्ववर्ती उधार का या नियम 21 के उपनियम (2) के अधीन किसी उधार का, उस पर ब्याज सहित, पूर्ण रूप से प्रतिसंदाय नहीं किया गया है, केवल एक अवसर पर इस नियम के अधीन किसी उधार के लिए मंजूरी दे सकेगी ”

5. उक्त नियमों में, अध्याय IX के पश्चात् अध्याय X अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

अध्याय X

सम्भाव्य रूप से विकासक्षम रुग्ण चीनी उपक्रम के लिए उधार

21. (1) ‘ सम्भाव्य रूप से विकासक्षम रुग्ण चीनी उपक्रम संयंत्र और मशीनरी के आधुनिकीकरण या पुनर्वास के लिए किसी उधार के लिए पात्र होगा :

परन्तु यह तब जब कि निधि से उधार की, यथास्थिति, औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड या पुनर्वास समिति द्वारा सम्भाव्य रूप से विकासक्षम रुग्ण चीनी उपक्रम के लिए पुनर्वास स्कीम में सिफारिश की गई है :

परन्तु यह और कि इसके संयंत्र और मशीनरी के ऐसे आधुनिकीकरण या पुनर्वास के लिए स्कीम या परियोजना का वित्तीय सहायता के लिए वित्तीय संस्था या अनुसूचित बैंक द्वारा उसकी सुसंगत स्कीम के अधीन अनुमोदन किया जाता है या इसके संयंत्र और मशीनरी के आधुनिकीकरण और पुनर्वास के लिए स्कीम और परियोजना को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की चीनी उत्पादन प्रौद्योगिकियों पर स्कीम मिशन मोड प्रोजेक्ट संबंधी प्रौद्योगिकी, सूचना, पूर्वानुमान और निर्धारण परिषद् द्वारा प्रायोजित किया जाता है :

परन्तु यह भी कि कोई चीनी उपक्रम इस नियम के अधीन किसी उधार के लिए पात्र नहीं होगा यदि नियम 16 के अधीन एक से अधिक उधार पूर्ण रूप से प्रतिसंदाय किए जाने के लिए शेष रहते हैं ।

- (2) सम्भाव्य रूप से विकासक्षम रुग्ण चीनी उपक्रम गन्ने के विकास के लिए उधार के लिए पात्र होगा :

परन्तु यह तब जब कि सम्भाव्य रूप से विकासक्षम रुग्ण चीनी उपक्रम के लिए पुनर्वास स्कीम में गन्ने के विकास के लिए औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड द्वारा मंजूर की गई या पुनर्वास समिति द्वारा सिफारिश की गई स्कीम या परियोजना के लिए निधि से उधार की सिफारिश की गई है :

परन्तु यह और कि चीनी उपक्रम इस नियम के अधीन उधार के लिए पात्र नहीं होगा यदि नियम 17 के अधीन एक से अधिक उधार पूर्ण रूप से प्रतिसंदाय किए जाने के लिए शेष रह जाते हैं ।

- (3) कोई चीनी उपक्रम, जिसने उपनियम (1) या उपनियम (2) के अधीन किसी उधार का उपभोग किया है, किसी पश्चातवर्ती अवसर पर इस नियम के अधीन किसी उधार के लिए आवेदन करने के लिए पात्र नहीं होगा ।
- (4) उपनियम (1) के अधीन कोई पात्र चीनी उपक्रम पुनर्वास के लिए समिति को प्ररूप -क में आधुनिकीकरण या पुनर्वास के लिए उधार के लिए कोई आवेदन उसकी 11 प्रमाणित प्रतियों सहित करेगा ।

- (5) उपनियम (2) के अधीन कोई पात्र चीनी उपक्रम उस राज्य सरकार को, जिसमें चीनी उपक्रम अवस्थित है, प्ररूप 3-ख में गन्ना विकास के लिए उधार के लिए कोई आवेदन उसकी 11 प्रमाणित प्रतियों सहित करेगा और राज्य सरकार ऐसी संवीक्षा के पश्चात्, जो वह आवश्यक समझे, अपनी टिप्पणियों और सिफारिशों सहित आवेदन को पुनर्वास के लिए समिति के सदस्य सचिव को अग्रेषित कर सकेगी।
- (6) पुनर्वास के लिए समिति का सदस्य सचिव, यथाशीघ्र, उपनियम (4) या उपनियम (5) में निर्दिष्ट किसी आवेदन की प्राप्ति के पश्चात्, अपनी टिप्पणियों सहित, यदि कोई हों, आवेदन को उक्त समिति के समक्ष समिति के विचारण के लिए रखेगा।
- (7) पुनर्वास के लिए समिति, किसी आवेदन पर अन्तिम विनिश्चय करने के पूर्व अपना समाधान करेगी कि केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार, किसी अनुसूचित बैंक या अन्य बैंक, वित्तीय संस्थाओं से पर्याप्त राहत रकमों या रियायतों या उपक्रम और अन्य अभिकरणों, यदि कोई हों, के कर्मचारियों से संदानों की पुनर्वास स्कीम में व्यवस्था की गई है और ऐसी राहत रकमों या रियायतों या संदान संबंधित अभिकरणों द्वारा चीनी उपक्रम को दिए जाने के लिए स्वीकार कर लिए गए हैं।
- (8) किसी आवेदन पर अन्तिम विनिश्चय करने के पूर्व, पुनर्वास के लिए समिति इस बात के लिए स्वतन्त्र होगी कि वह आवेदक या किसी अन्य संबद्ध अभिकरण से, यदि आवश्यक हो तो किसी और जानकारी के लिए मांग करे।
- (9) इस नियम के अधीन किसी आवेदन पर पुनर्वास के लिए समिति का अन्तिम विनिश्चय, सिफारिश के रूप में केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा।
- (10) केन्द्रीय सरकार, पुनर्वास के लिए समिति की सिफारिश पर और आधुनिकीकरण या पुनर्वास के लिए किसी परियोजना के संबंध में किसी अन्य सुसंगत तथ्य पर विचार करने के पश्चात् किसी चीनी उपक्रम को उधार की ऐसी रकम का संदाय प्राधिकृत कर सकेगी, जो वित्तीय संस्था या अनुसूचित बैंक द्वारा संप्रवर्तक के अभिदाय के रूप में ऐसे चीनी उपक्रम द्वारा अभिदाय किए जाने के लिए अपेक्षित रकम से अधिक न हो।

परन्तु इस नियम के अधीन निधि से उधार पात्र परियोजना लागत के 60 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा :

परन्तु यह और कि निधि से उधार की मंजूरी तभी दी जाएगी जब चीनी उपक्रम संप्रवर्तक के अभिदाय के रूप में अपने स्वयं के श्रोतों से परियोजना के कम से कम बीस प्रतिशत का अभिदाय करता है :

परन्तु यह भी कि निधि से किसी उधार को उस चीनी उपक्रम द्वारा उपभोग किए गए किसी रूप में किसी उधार के या किसी रूप में किसी ऐसे उधार पर, जिसका चाहे निधि से या वित्तीय संस्थाओं, बैंकों या किसी अन्य अभिकरण से जिसके अन्तर्गत सरकार भी है, उपभोग किया गया हो, ब्याज के प्रतिसंदेय के प्रयोजन के लिए मंजूर नहीं किया जाएगा :

परन्तु यह भी कि निधि से उधार केवल तभी मंजूर किया जाएगा जब चीनी उपक्रम ने ऐसी सभी राशियों का प्रतिसंदाय कर दिया है जो लेवी चीनी कीमत समकरण निधि के संबंध में शोध्य हो गई हैं ।

- (11) (i) आधुनिकीकरण या पुनर्वास के लिए उधार का संवितरण केन्द्रीय सरकार द्वारा संबंधित चीनी उपक्रम को किया जाएगा या उसके द्वारा संबंधित चीनी उपक्रम को संवितरण के लिए वित्तीय संस्थाओं को, या तो एकमुश्त राशि में या दो या अधिक किश्तों में, जैसा केन्द्रीय सरकार द्वारा, केन्द्रीय सरकार, संबंधित राज्य सरकार, भागीदार वित्तीय संस्थाओं या अनुसूचित बैंकों और संबंधित चीनी उपक्रम के पश्चात् करार निष्पादित किए जाने के पश्चात्, आवश्यक समझा जाए, संदत्त किया जाएगा ।
- (ii) इस उपनियम के खण्ड (i) में निर्दिष्ट करार में प्रतिसंदाय की अवधि के, जिसके अन्तर्गत किश्तों की संख्या और रकम, ब्याज का संदाय, ऐसे प्रतिसंदाय या संदाय की रीति और उधार से आनुषंगिक किसी अन्य विषय संबंध में, निबन्धन और शर्तें अन्तर्विष्ट होंगी ।
- (iii) निधि से उधार पर 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष सादा ब्याज की रियायती दर होगी और उधार की रकम के प्रतिसंदाय या उसकी किसी किश्त या उस पर ब्याज के संदाय में किसी व्यतिक्रम की दशा में

व्यतिकर की रकम के ढाई प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर पर अतिरिक्त ब्याज चीनी उपक्रम द्वारा संदेय होगा ।

(iv) आधुनिकीकरण या पुनर्वास के लिए उधार का, उस पर ब्याज सहित, प्रतिसंदाय ऐसी अवधि के पश्चात प्रारम्भ होगा जो केन्द्रीय सरकार द्वारा सम्यक सत्यापन के पश्चात, अधिकतम पांच वर्ष के अधीन रहते हुए, जो निधि से उधार के संवितरण की तारीख से संगणित किए गए हों, विनिश्चित की जाए, प्रारम्भ होगा और निधि से उधार उस पर शोध्य ब्याज सहित अर्धवार्षिक किश्तों में जो संख्या में 10 से अधिक नहीं होंगी वसूलीय होगा ।

(v) वित्तीय संस्था निधि से उधार के प्रतिसंदाय, उस पर ब्याज के संदाय या किसी अन्य प्राप्ति के रूप में उधारग्रहीता चीनी उपक्रम से किसी रकम की प्राप्ति के 30 दिन के भीतर उक्त रकम को निधि में जमा करेगा ।

(12) केन्द्रीय सरकार, गन्ना विकास के लिए किसी परियोजना के संबंध में, पुनर्वास के लिए समिति की सिफारिश और किसी अन्य सुसंगत तथ्य पर विचार करने के पश्चात किसी चीनी उपक्रम को उधार की ऐसी रकम का संदाय प्राधिकृत कर सकेगी, जो पात्र परियोजना लागत के 90 प्रतिशत से अधिक न हो और नियम 17 के अधीन विनिर्दिष्ट रकम से, यदि कोई हो, अधिक न हो :

परन्तु निधि से उधार केवल तभी मंजूर किया जाएगा जब चीनी उपक्रम या संबंधित राज्य सरकार परियोजना लागत के न्यूनतम 10 प्रतिशत का अपने स्वयं के श्रोत से अभिदाय करता है :

परन्तु यह और कि निधि से उधार को, चीनी उपक्रम द्वारा उपभोग किए गए किसी रूप में किसी उधार के या किसी रूप में किसी ऐसे उधार पर, जिसका चाहे निधि से या वित्तीय संस्थाओं, बैंकों या किसी अन्य अभिकरण से, जिसके अन्तर्गत सरकार भी है, उपभोग किया गया है, ब्याज के प्रतिसंदाय के प्रयोजन के लिए मंजूर नहीं किया जाएगा :

परन्तु यह भी कि निधि से उधार केवल तभी मंजूर किया जाएगा जब चीनी उपक्रम ने ऐसी सभी राशियों के प्रतिसंदाय कर दिया है जो निधि और लेवी चीनी कीमत समीकरण निधि के संबंध में शोध्य हो गई हैं ।

13. (i) गन्ना विकास के लिए उधार का संवितरण संबंधित चीनी उपक्रम को केन्द्रीय सरकार, संबंधित राज्य सरकार और चीनी उपक्रम के बीच त्रिपक्षीय करार निष्पादित किए जाने के पश्चात् किया जाएगा ।
- (ii) इस उपनियम के खण्ड (i) में निर्दिष्ट त्रिपक्षीय करार में ऐसे निबन्धन और शर्तें अन्तर्निहित होंगी जो केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार से परामर्श करने के पश्चात् विनिश्चित करे जैसे किसी अनुसंधान संस्थान या किसी अन्य संगठन द्वारा, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिश्चित किया जाए, परियोजना की प्रगति का मानिटर करना, ब्याज सहित उधार का प्रतिसंदाय, निधि के खाते में प्रेषण, संबंधित राज्य सरकार द्वारा उपयोग प्रमाणपत्र और उधार से आनुषंगिक कोई अन्य विषय ;
- (iii) निधि से उधार पर छह प्रतिशत प्रतिवर्ष की सादा ब्याज की रियायती दर होगी और उधार की रकम के प्रतिसंदाय या उसकी किसी किश्त या उस पर ब्याज के संदाय में किसी व्यतिक्रम की दशा में, व्यतिक्रम की रकम पर ढाई प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर पर अतिरिक्त ब्याज चीनी उपक्रम द्वारा संदेय होगा ।
- (iv) गन्ना विकास के लिए उधारका प्रतिसंदाय, उस पर ब्याज सहित, उधार के संवितरण की तारीख से संगणित एक वर्ष की अधिस्थगन अवधि की समाप्ति पर प्रारम्भ होगा और समान अर्धवार्षिक किश्तों में, जो संख्या में 8 से अधिक नहीं होंगी, प्रतिसंदत्त किया जाएगा और उस पर ब्याज का संदाय अर्धवार्षिक रूप से उधार के संवितरण की तारीख से एक वर्ष की समाप्ति पर किया जाएगा । ”
6. उक्त नियमों में, प्ररूप 2 और उसके उपाबंधों के पश्चात्, निम्नलिखित प्ररूप 2क और उपाबंध अन्तः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

प्ररूप-2-क
[नियम 21(4)]

**आधुनिकीकरण/पुनर्वास की स्कीम का वित्तपोषण करने के लिए संप्रवर्तक के अमिदाय के लिए
घनी विकास निधि से वित्तीय सहायता के लिए आवेदन**

| | | |
|----|--|---|
| 1. | आवेदक का नाम : | |
| 2. | पता : (i) रजिस्ट्रीकृत कार्यालय : (ii) कारखाने की अवस्थिति : | |
| 3. | गठन (चाहे वह सहकारी सोसाइटी, प्राइवेट/पब्लिक लिमिटेड कम्पनी, संयुक्त सेक्टर/पब्लिक सेक्टर हो): | |
| 4. | निगमन/रजिस्ट्रीकरण की तिथि : | |
| 5. | प्रबंधन : (क) निदेशक बोर्ड : (ख) कार्यपालिक गठन : | |
| 6. | औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड द्वारा मंजूर की गई पुनर्वास की स्कीम के संबंध में उनके आदेश/पुनर्वास समिति की सिफारिशों की विशिष्टियां (औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड के आदेश/पुनर्वास समिति की सिफारिश की एक प्रति संलग्न करें) : | |
| 7. | प्रस्तावित परियोजना का संक्षिप्त विवरण (परियोजना रिपोर्ट की एक प्रति संलग्न करें) : | |
| 8. | उस स्कीम/परियोजना के, जिसके लिए उधार के लिए आवेदन किया गया है, पूर्ण होने पर वास्तविक संपादन और प्रत्याशित संपादन। कृपया निम्नलिखित शीति से दर्शाएं : (क) मुख्य उत्पादन और प्रचालन परिणाम | उस स्कीम/परियोजना के, जिसके लिए उधार के लिए आवेदन किया गया है, के पूर्ण होने पर (i) वास्तविक संपादन (ii) प्रत्याशित संपादन समाप्त वर्ष को 19 19 19 |
| | (1) अनुज्ञप्त पेराई क्षमता (टी.सी.डी.) (2) संस्थापित पेराई क्षमता (टी.सी.डी.) (3) क्षेत्र, जिस पर गन्ने का उत्पादन किया जाता है (एकड़) (4) औसत उपज (टन/एकड़) (5) क्षेत्र में गन्ने का कुल उत्पादन (लाख टन) (6) मौसम की कुल अवधि (दिन) | |

| | | |
|--|---|--|
| | <p>(7) मौसम की शुद्ध अवधि (दिन)</p> <p>(8) कुल उपलब्ध घंटों के लिए व्यतीत किए गए घंटों का प्रतिशत</p> <p>(9) पेराई की औसत दैनिक दर (टन) :</p> <p>(क) जिसके अंतर्गत रोका जाना भी है,</p> <p>(ख) जिसके अंतर्गत रोका जाना नहीं है</p> <p>(10) पेराई किए गए कुल गन्ने (लाख टन)</p> <p>(11) कुल प्रतिशत गन्ना</p> <p>(12) कुल गन्ना हानि प्रतिशत गन्ना</p> <p>(13) औसत चीनी की वसूली का प्रतिशत</p> <p>(14) उत्पादित कुल चीनी (क्विंटल)</p> <p>(15) कम किया गया मिल का निष्कर्षण प्रतिशत</p> <p>(16) कम किया गया ताप गृह निष्कर्षण प्रतिशत</p> <p>(17) कम किया गया कुल निष्कर्षण प्रतिशत</p> <p>(18) अतिरिक्त ईंधन उपभोग (प्रतिशत गन्ना)</p> | |
| | <p>टिप्पण : (i) यदि संपादन स्वीकृत मानदंडों के अनुरूप नहीं रहा है और यदि संपादन के कार्य में ज्यादा उतार-चढ़ाव रहा है, तो कृपया संक्षेप में इसके कारण बताएं।</p> <p>टिप्पण : (ii) कृपया अन्य क्रियाकलापों जैसे आसवन यंत्र, पेपर इकाई इत्यादि, यदि कोई हो, तो उनके संबंध में संस्थापित क्षमता, उत्पादन और कार्य क्षमता संबंधी आंकड़े प्रस्तुत करें।</p> | |
| | <p>(ख) कार्यकारी परिणाम :</p> <p>(1) शुद्ध विक्रय</p> <p>(2) सकल लाभ/हानि</p> <p>(3) निम्नलिखित पर ब्याज :-</p> <p>(क) आवधिक उधार</p> <p>(ख) कार्यकारी पूंजी</p> <p>(ग) जोड़</p> <p>(4) अवक्षयण</p> <p>(5) प्रचालन लाभ (हानि)</p> <p>(6) कर</p> <p>(7) शुद्ध लाभ/हानि</p> <p>(8) नकद प्रोद्भवन</p> <p>(9) भारत सरकार द्वारा नियत लागू कानूनी ईख का मूल्य (प्रति क्विंटल रुपये)</p> <p>(10) वास्तव में संदत्त ईख का मूल्य(रुपये प्रति क्विंटल)</p> | |

| | | |
|-----|---|--|
| | <p>(ग) वित्तीय स्थिति :-</p> <p>(1) (क) कुल नियत आस्तियां जिनके अंतर्गत चालू काम भी है। (ख) कम करके अवक्षयण</p> <p>(2) कुल नियत आस्तियां</p> <p>(3) विनिधान</p> <p>(4) चालू आस्तियां</p> <p>(5) चालू दायित्व</p> <p>(6) कुल कामकाज पूंजी [(4) घटा (5)]</p> <p>(7) सकल मूर्त आस्तियां [(2) जमा (3) जमा (6)]</p> <p>(8) दीर्घकालिक दायित्व</p> <p>(9) शेयर धारक की योग्यता [(7) घटा (8)]</p> <p>(10) शेयर पूंजी जिसके अंतर्गत शेयर निलंबन और अप्रतिदेय जमा है</p> <p>(11) आरक्षिती और आधिक्य</p> <p>(12) लाभ और हानि लेखे में घटा और अमूर्त आस्तियां</p> <p>(13) शुद्ध मूल्य [(10) जमा (11) घटा (12)]</p> | |
| 9. | <p>क्या परियोजना का चीनी विकास निधि के अंतर्गत सहायता के लिए अखिल भारतीय वित्त संस्थाओं/अनुसूचित बैंकों/प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान और निर्धारण परिषद द्वारा अनुमोदन किया गया है :-</p> <p>(क) यदि हां, तो मुख्य संस्था द्वारा जारी किए गए 'आशय पत्र' की प्रमाणित सही प्रतिलिपि संलग्न करें।</p> <p>(ख) मुख्य संस्थाओं द्वारा अनुबंधित ताखिक प्रकृति की किसी शर्त (शर्तों) की, जिसमें ब्याज दर, पुनर्भुगतान अवधि और प्रतिभूति शामिल हैं, सूची बताएं।</p> | |
| 10. | <p>(क) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार, वित्तीय संस्थाओं, अनुसूचित बैंक, अन्य बैंकों, चीनी</p> | |

| | | |
|-----|--|--|
| | <p>उपक्रम और अन्य अभिकरणों, यदि कोई हो, के कर्मचारियों से राहतें या रियायतें या दान क्या हैं, जो औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड के पुनर्वास समिति की सिफारिश में सम्मिलित किए गए हैं।</p> <p>(ख) क्या संबंधित अभिकरण चीनी उपक्रम के लिए इन राहतों/छूटों/दानों की व्यवस्था करने के लिए सहमत हो गए हैं? यदि हां, तो संबंधित अभिकरणों से प्राप्त सहमति पत्रों की प्रतियां इस आवेदन प्ररूप के साथ दी जाएं।</p> | |
| 11. | जन शक्ति के सुव्यवस्थीकरण के लिए और व्यय, विशेषकर उपरिव्यय को कम करने के लिए चीनी उपक्रम द्वारा किए जाने वाले प्रस्तावित उपाय | |
| 12. | परियोजना की लागत (अखिल भारतीय वित्त संस्थाओं/अनुसूचित बैंकों/प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान और निर्धारण परिषद द्वारा यथा अनुमोदित). कृपया ब्यौरा और अनुमोदन की प्रमाणित सही प्रतिलिपि प्रस्तुत करें। | |
| 13. | वित्त पोषण के साधन, ऋण साम्य अनुपात और प्रतिभूति अंतर (अखिल भारतीय वित्त संस्थाओं/अनुसूचित बैंकों/प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान और निर्धारण परिषद द्वारा यथा अनुमोदित). | |
| 14. | अखिल भारतीय वित्त संस्थाओं/अनुसूचित बैंकों/प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान और निर्धारण परिषद द्वारा नियत संप्रवर्तक के अभिदाय का प्रतिशत और रकम। | |
| 15. | वित्तीय स्थिति/संबंधित आवेदक/उसके संप्रवर्तकों की साधन संपन्नता को ध्यान में रखते हुए उसके औचित्य सहित संप्रवर्तक के अभिदाय के लिए चीनी विकास निधि से अपेक्षित सहायता की रकम। | |
| 16. | <p>निम्नलिखित आवेदित उधार के लिए उपबन्धित की जाने वाली प्रस्तावित प्रतिभूति :-</p> <p>(क) बैंक प्रत्याभूति</p> <p>(ख) राज्य सरकार प्रत्याभूति</p> <p>(ग) आस्तियों पर प्रभार का सृजन</p> | |

| | | |
|-----|---|--|
| 17. | परियोजना के कार्यान्वयन की अनुसूची | |
| 18. | कृपया स्कीम के पूर्ण होने पर विवेचनात्मक धारणाओं सहित प्राक्कलित लाभप्रदता 10 वर्षों के लिए नकद प्रवाह के विवरणों का सारांश (अनुबंध-1 और अनुबंध-2 में दिए गए प्रोफार्मा में) प्रस्तुत करें। | |

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर :

नाम :

पदनाम :

चीनी उपक्रम का नाम और पता

(अधिभोगी) :

उपाबंध-1 से प्ररूप-2-क

समुत्थान/सोसाइटी का नाम

परियोजना के लाभ और नकद रकम का सारांश
(यह विवरण 10 वर्ष की अवधि के लिए तैयार किया जाना चाहिए)
(रकम लाख रुपये में)

| वर्ष | | 19 | 19 | 19 | 19 |
|------|---|----|----|----|----|
| | काम के दिनों की संख्या प्रतिस्थापित क्षमता उत्पादन के लिए प्रतिशत उत्पादन (मात्रा) | | | | |
| 1. | कुल विक्रय (जिसके अंतर्गत उत्पाद शुल्क नहीं है) | | | | |
| 2. | अवक्षयण, के पूर्व सकल प्रचालन लाभ, (आवधिक उधारों और आस्थगित संदायों पर) ब्याज, प्रबंध पारिश्रमिक, एकमात्र विक्रय अभिकरण कमीशन और कर | | | | |
| 3. | अवक्षयण | | | | |
| 4. | आवधिक उधारों/आस्थगित संदायों पर ब्याज | | | | |
| 5. | प्रबंध पारिश्रमिक | | | | |
| 6. | विक्रय अभिकरण कमीशन | | | | |
| 7. | कर के पूर्व प्रचालन लाभ [2 घटा (3 जमा 4 जमा 5 जमा 6)] | | | | |
| 8. | अप्रचालन आय | | | | |
| 9. | कर पूर्व लाभ (7 जमा 8) | | | | |
| 10. | कर | | | | |
| 11. | कर के पश्चात् शुद्ध लाभ (9 घटा 10) | | | | |
| 12. | विकास रिबेट आरक्षिती/विनिधान भत्ता आरक्षिती | | | | |
| 13. | शुद्ध वितरण योग्य लाभ (11 घटा 12) | | | | |
| 14. | सकल नकद रकम (3 जमा 12 जमा 13) | | | | |

| | | |
|---|--|--|
| 15. | अधिमान योग्य लाभांश (क) रकम (ख) दर | |
| 16. | साम्या लाभांश (क) रकम (ख) दर | |
| 17. | प्रतिधारित लाभ [13 घटा (15 जमा 16)] | |
| 18. | कुल नकद रकम [14 घटा (15 जमा 16)] ऋण सेवा का बीमा : | |
| 19. | ब्याज का संदाय करने के लिए उपलब्ध निधि (11 जमा 4) | |
| 20. | संदेय ब्याज (19 जमा 4) | |
| 21. | ऋण सेवा के लिए उपलब्ध नकद | |
| 22. | कुल ऋण आस्थगित सेवा सावधि, आवधिक उधारों, आस्थगित संदायों और आवधिक उधारों और आस्थगित संदायों पर ब्याज की वर्ष में देय होने वाली किश्तें | |
| 23. | ऋण सेवा की परिधि (21 जमा 22) लाभदायकता का अनुपात | |
| 24. | कुल विक्रय पर कर से पूर्व लाभ प्रचालन की प्रतिशतता | |
| 25. | लगाई गई पूंजी पर प्राप्ति | |
| 26. | साम्या पूंजी पर कर के पश्चात् लाभ का प्रतिशत विनिधान परिणाम अनुपात | |
| 27. | विक्रय के लिए लगाई गई पूंजी अनुपात, विनिधान परिणाम अनुपात | |
| 28. | शुद्ध विक्रय से जोड़ा गया सकल मूल्य (प्रतिशत) | |
| टिप्पण :- मद 27 और 28 की संगणना वैसी ही रीति से की जाएगी जैसी वित्तीय संस्थाओं के उदार उधार स्कीम के अधीन उधार प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए की जाती है। | | |

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर :

नाम :

पदनाम :

चीनी उपक्रम का नाम और पता

(अधिभोगी) :

उपाबंध-2 से प्ररूप-2-क

नकद रकम संबंधी विवरण

(यह विवरण 10 प्रचालन वर्षों की अवधि के लिए तैयार किया जाना चाहिए)

(हजार रुपयों में)

| | | संनिर्माण अवधि प्रचालन वर्ष (अर्ध वार्षिक) | | | |
|-----|--|--|----|----|----|
| | | 19 | 19 | 19 | 19 |
| | निधियों के स्रोत : | | | | |
| 1. | शेयर निर्गमन | | | | |
| 2. | जोड़े गए ब्याज सहित कराधान से पूर्व लाभ | | | | |
| 3. | वर्ष के लिए अवक्षयण उपबंध | | | | |
| 4. | विकास रिबेट आरक्षिती/विनिधान भत्ता आरक्षिती | | | | |
| 5. | परियोजनाओं के लिए प्रतिभूत मध्यम और दीर्घकालिक उधारों में वृद्धि | | | | |
| 6. | अन्य मध्यम/दीर्घकालिक उधार | | | | |
| 7. | अप्रतिभूत उधारों और निक्षेपों में वृद्धि | | | | |
| 8. | मशीनरी प्रदायकर्ताओं को आस्थगित संदाय (ब्याज सहित) के लिए दायित्वों में वृद्धि | | | | |
| 9. | नियत आस्तियों का विक्रय | | | | |
| 10. | विनिधान विक्रय | | | | |
| 11. | अन्य आय (ब्यौरे उपदर्शित करें) | | | | |
| | कुल (क) | | | | |

(हजार रुपयों में)

| | | संनिर्माण अवधि प्रचालन वर्ष (अर्ध वार्षिक) | | | |
|-----|--|--|----|----|----|
| | | 19 | 19 | 19 | 19 |
| | निधियों का व्ययन : | | | | |
| 1. | परियोजना के लिए पूंजी व्यय | | | | |
| 2. | अन्य प्रसामान्य पूंजी व्यय | | | | |
| 3. | कामकाज पूंजी में वृद्धि | | | | |
| 4. | प्रतिभूत मध्यम और दीर्घकालिक उधारों में कमी -- अखिल भारतीय संस्थाएं -- राज्य वित्तीय निगम -- बैंक | | | | |
| 5. | अप्रतिभूत उधारों और निक्षेपों में कमी | | | | |
| 6. | कामकाज पूंजी के लिए बैंक से उधारों में कमी | | | | |
| 7. | मशीन के प्रदाय कर्ताओं को आस्थगित संदायों (जिसके अंतर्गत ब्याज भी है) के लिए दायित्वों में की | | | | |
| 8. | अन्य कम्पनियों के विनिधान में वृद्धि | | | | |
| 9. | आवधिक उधारों पर ब्याज | | | | |
| 10. | कामकाज पूंजी के लिए बैंक उधारों पर ब्याज | | | | |
| 11. | कराधान | | | | |
| 12. | लाभांश-साम्या-अधिमान | | | | |
| 13. | अन्य व्यय (ब्यौरे उपदर्शित करें) | | | | |
| | कुल (ख) | | | | |

| | | |
|---|---------------------------------------|--|
| 14. | हाथ में और बैंक में आरंभिक नकद अतिशेष | |
| 15. | शुद्ध आधिक्य/घाटा (क - ख) | |
| 16. | हाथ में और बैंक में अन्त नकद अतिशेष | |
| टिप्पण : 1 - दर्शित आंकड़ों का ब्यौरेवार कार्यकरण दिया जाना चाहिए। 2 - परियोजना के लिए और अन्य प्रयोजनों के लिए उधारों को (साथ ही प्रतिसंदायों को भी) पृथक रूप से दर्शित किया जाना चाहिए। | | |

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर :

नाम :

पदनाम :

चीनी उपक्रम का नाम और पता
(अधिभोगी) :

उक्त नियमों में, प्ररूप 3-क के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप 3-ख अंतस्थापित किया जाएगा :-

प्ररूप-3-ख

[नियम 21(5)]

गन्ने के विकास के लिए वित्तीय सहायता के लिए आवेदन

(राज्य सरकार के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए)

| | | |
|----|--|--|
| 1. | चीनी उपक्रम का नाम और पता | |
| 2. | संस्थापन वर्ष | |
| 3. | गठन (क्या सहकारी सोसाइटी, प्राइवेट/पब्लिक लिमिटेड कम्पनी, संयुक्त सेक्टर/पब्लिक सेक्टर कम्पनी है) | |
| 4. | गन्ना पेशाई क्षमता (टन प्रतिदिन) | |
| 5. | पूर्ववर्ती तीन चीनी वर्षों के दौरान पेशाई किए गए गन्ने की मात्रा | |
| 6. | वह प्रयोजन जिसके लिए उधार के लिए आवेदन किया गया है (कार्यान्वित किए जाने के लिए प्रस्तावित परियोजना/स्कीम पर एक विस्तृत रिपोर्ट संलग्न करें) | |
| | | पूर्ववर्ती 3 चीनी मौसम वर्ष वर्ष वर्ष |
| 7. | (क) क्षेत्र जिस पर गन्ना होता है (हेक्टेयर) | |
| | (ख) औसत उत्पाद (टन प्रति हेक्टेयर) | |
| | (ग) क्षेत्र में गन्ने का कुल उत्पादन (लाख टनों में) | |
| | (घ) मौसम की सकल अवधि (दिन) | |
| | (ड.) मौसम की शुद्ध अवधि (दिन) | |
| 8. | उस गन्ना विकास स्कीम/परियोजना के, जिसके लिए उधार के लिए आवेदन किया गया है, पूर्ण हो जाने पर प्रत्याशित लाभ | |
| | (क) गन्ना के क्षेत्र में वृद्धि (हेक्टेयर) | |
| | (ख) वया गन्ने की किस्मों में परिवर्तन किया जाना प्रस्तावित है, और यदि ऐसा है तो उनका ब्यौरा दें | |
| | (ग) अपेक्षित औसत उत्पादन (टन प्रति हेक्टेयर) | |
| | (घ) उपर्युक्त 7(ग) की तुलना में क्षेत्र में गन्ना के कुल उत्पादन में प्रत्याशित वृद्धि (लाख टन में) | |
| | (ड.) गन्ना रिकवरी प्रतिशत में प्रत्याशित सुधार | |

| | | |
|-----|---|--|
| 9. | प्रस्तावित गन्ना विकास स्कीम के मानीटर करने के लिए अध्यक्ष | |
| | (क) क्या चीनी उपक्रम के पास तकनीकी रूप से अर्हित व्यक्ति हैं और यदि हां, तो उनकी अर्हताओं और अनुभवों के ब्यौरे | |
| | (ख) गन्ना विकास स्कीम की प्रगति की, उस मानीटर करने वाले अभिकरण को, जो केन्द्र सरकार द्वारा विनिश्चित किया जाए और राज्य सरकार को रिपोर्ट करने के लिए क्रियाविधि और पद्धति | |
| 10 | (क) क्या चीनी उपक्रम के संयंत्र और मशीनरी के आधुनिकीकरण/पुनर्वास/प्रौद्योगिकी में सुधार के लिए औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड अथवा पुनर्वास समिति द्वारा चीनी विकास निधि से उधार की मंजूरी के लिए सिफारिश की गई है। | |
| | (ख) यदि हां, तो क्या चीनी उपक्रम ने चीनी विकास निधि से ऐसे उधार के लिए आवेदन किया है। | |
| 11. | (क) विभिन्न अभिकरणों, जिनके अन्तर्गत वित्तीय संस्थाएं/बैंक/केन्द्रीय/राज्य सरकार/चीनी उपक्रम के कर्मचारी हैं, से राहतें/रियायतें/दान क्या हैं, जो औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड/पुनर्वास समिति द्वारा सिफारिश की गई पुनर्वास की स्कीम में सम्मिलित हैं। (ख) क्या संबंधित अभिकरण राहतों/रियायतों/दान का चीनी उपक्रम के लिए उपबंध करने के लिए सहमत हो गए हैं? संबंधित अभिकरणों से प्राप्त पत्रों की प्रतियां संलग्न करें। | |
| 12. | जन शक्ति के सुव्यवस्थीकरण के लिए और व्यय, विशेषकर उपरिव्यय को कम करने के लिए चीनी उपक्रम द्वारा किए जाने वाले प्रस्तावित उपाय | |
| 13. | उस परियोजना/स्कीम के लिए, जिसके लिए इस उधार के लिए आवेदन किया गया है, केन्द्रीय सरकार से भिन्न अभिकरणों से उपलब्ध सहायता के ब्यौरे | |
| 14. | ऐसी सहायता का उपभोग न करने के लिए कारण, यदि कोई हों। | |

| | | |
|-----|---|--|
| 15. | (क) राज्य सरकार द्वारा चीनी उपक्रम को कितना गन्ना क्षेत्र आवंटित किया गया है? | |
| | (ख) वह अवधि, जिसके लिए चीनी उपक्रम को गन्ना क्षेत्र आवंटित किया गया है? | |
| | (ग) क्या चीनी उपक्रम को आवंटित गन्ना क्षेत्र स्कीम के पूर्ण हो जाने पर प्रत्याशित लाभ को प्राप्त करने के लिए पर्याप्त है? | |
| 16. | क्या प्रस्तावित परियोजना/स्कीम आवेदक के चीनी उपक्रम के क्षेत्र में गन्ना के विकास के लिए पूर्णतः या भागतः राज्य सरकार या किसी अन्य अभिकरण की स्कीम के अंतर्गत आती है। | |
| 17. | उधार की वह रकम जिसके लिए आवेदन किया गया है। | |
| 18. | परियोजना/स्कीम के कार्यान्वयन की कुल लागत का वित्त पोषण करने के साधन | |
| 19. | मांगे गए उधार के लिए उपबन्धित की जाने वाली प्रस्तावित प्रतिभूति | |
| 20. | उधार के पुनर्संदाय का प्रस्तावित तरीका | |

स्थान :

हस्ताक्षर :

तारीख :

नाम :

पदनाम :

चीनी उपक्रम का नाम और पता

(अधिभोगी) :

टिप्पण :- मूल नियम भारत के राजपत्र में सा0का0नि0 संख्या 752(अ) तारीख 28.9.1983 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए :-

- (i) सा0का0नि0 817 (अ) तारीख 20.12.1984
- (ii) सा0का0नि0 838 (अ) तारीख 14.11.1985
- (iii) सा0का0नि0 551 (अ) तारीख 06.05.1988
- (iv) सा0का0नि0 235 (अ) तारीख 24.04.1991
- (v) सा0का0नि0 441 (अ) तारीख 28.04.1992
- (vi) सा0का0नि0 435 (अ) तारीख 06.05.1994
- (vii) सा0का0नि0 27 (अ) तारीख 12.11.1996
- (viii) सा0का0नि0 656 (अ) तारीख 21.11.1997
- (ix) सा0का0नि0 91 (अ) तारीख 12.02.2001
- (x) सा0का0नि0 886 (अ) तारीख 06.12.2001
- (xi) सा0का0नि0 443 (अ) तारीख 21.06.2002

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

(Department of Food and Public Distribution)

NOTIFICATION

New Delhi the 19th August, 2002

G.S.R. 584 (E).— In exercise of the powers conferred by section 9 of the Sugar Development Fund Act, 1982 (4 of 1982), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Sugar Development Fund Rules, 1983, namely: -

1. (1) These rules may be called the Sugar Development Fund (Second Amendment) Rules, 2002.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Sugar Development Fund Rules, 1983, (hereinafter referred to as the said rules), in rule 2: -

(i) after clause (f) the following clause (ff) shall be inserted, namely: -

'(ff) "Committee for rehabilitation" means the Committee constituted by the Central Government to consider and recommend rehabilitation of a sugar undertaking in the co-operative sector that has eroded its net worth';

(ii) after clause (j), the following clause (jj) shall be inserted, namely: -

'(jj) "potentially viable sick sugar undertaking" means a sugar undertaking being in the Private or Public sector in respect of which a scheme of rehabilitation has been sanctioned by the Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) or being in the co-operative sector in respect of which a scheme of rehabilitation has been recommended by the Committee for rehabilitation';

3. In the said rules in rule 16 , for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely: -

“Provided that a sugar undertaking that has availed of a loan under this rule shall be eligible for loan only on one occasion during the period in which the previous loan under this rule or a loan under sub rule (1) of rule 21, alongwith interest thereon has not been fully repaid”.

4. In the said rules, in rule 17, for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely: -

“Provided that the Central Government may accord sanction for a loan under this rule to a sugar undertaking only on one occasion during the period in which the previous loan under this rule or a loan under sub-rule (2) of rule 21, along with interest thereon has not been fully repaid’.

5. In the said rules, after Chapter IX, the following Chapter X shall be inserted, namely: -

“Chapter X

Loans for potentially viable sick sugar undertaking

21. (1) ‘A potentially viable sick sugar undertaking shall be eligible for a loan for the modernization or rehabilitation of plant and machinery:

Provided that the loan from the Fund has been recommended in the rehabilitation scheme for the potentially viable sick sugar undertaking by the Board for Industrial and Financial Reconstruction or the Committee for rehabilitation, as the case may be:

Provided further that the scheme or project for such modernization or rehabilitation of its plant and machinery is approved for financial assistance by a financial institution or a scheduled bank under its relevant scheme or sponsored by the Technology, Information, Forecasting and Assessment Council in respect of Scheme Mission Mode Project on Sugar Production Technologies of the Department of Science and Technology for modernization and rehabilitation of its plant and machinery:

Provided also that a sugar undertaking shall not be eligible for a loan under this rule if more than one loan under rule 16 remains to be fully repaid

- (2) A potentially viable sick sugar undertaking shall be eligible for a loan for the sugarcane development:

Provided that for a scheme or project for sugarcane development in the rehabilitation scheme for the potentially viable sick sugar undertaking sanctioned by the Board for Industrial and Financial Reconstruction or

recommended by the Committee for rehabilitation, a loan from the Fund has been recommended:

Provided further that a sugar undertaking shall not be eligible for a loan under this rule if more than one loan under rule 17 remains to be fully repaid.

- (3) A sugar undertaking, which has availed a loan under sub-rule (1) or sub-rule (2), shall not be eligible to apply for a loan under this rule on any subsequent occasion.
- (4) Any eligible sugar undertaking under sub-rule (1) shall make an application for the loan for modernization or rehabilitation to the Committee for rehabilitation in Form II-A along with eleven certified copies thereof.
- (5) Any eligible sugar undertaking under sub-rule (2) shall make an application for the loan for sugarcane development in form **III-B** along with twelve certified copies thereof to the State Government in which the sugar undertaking is located and the State Government may forward the application after such scrutiny, as it deems necessary, with its comments and recommendations to the Member-Secretary of the Committee for rehabilitation.
- (6) The Member-Secretary of the Committee for rehabilitation shall, as soon as may be, after receipt of an application referred to in sub-rule (4) or sub-rule (5), place the application before the said Committee along with his comments, if any, for the Committee's consideration.
- (7) The Committee for rehabilitation, before making a final decision on an application, shall satisfy itself that adequate reliefs, or concessions from the Central Government, State Government, any scheduled bank or other

bank, financial institutions or donations from the employees of the undertaking and other agencies, if any, have been provided in the rehabilitation scheme and such reliefs or concessions or donations have been accepted by the concerned agencies to be provided to the sugar undertaking.

- (8) It shall be open to the committee for rehabilitation before making a final decision on an application, to call for any further information from the applicant or any other concerned agency, if necessary.
- (9) The final decision of the Committee for rehabilitation on any application under this rule shall be submitted to the Central Government in the form of recommendation.
- (10) The Central Government may, after consideration of the recommendation of the Committee for rehabilitation and any other relevant fact in respect of a project for modernization or rehabilitation, authorise payment to a sugar undertaking of such amount of loan, not exceeding the amount required by the financial institution or the scheduled bank to be contributed by such sugar undertaking as promoter's contribution:

Provided that the loan from the Fund under this rule shall not exceed sixty per cent of the eligible project cost:

Provided further that the loan from the Fund shall be granted only if the sugar undertaking contributes a minimum of twenty percent of the project cost from its own resources as promoter's contribution:

Provided also that a loan from the Fund shall not be granted for the purpose of repayment of any loan in any form availed by the sugar undertaking or interest on any such loan in any form, whether availed

from the Fund or from financial institutions, banks or any other agency including Government:

Provided also that the loan from the Fund shall be granted only if the sugar undertaking has repaid all the sums, which have become due in respect of the Fund and the Levy Sugar Price Equalisation Fund.

(11) (i) The loan for modernization or rehabilitation shall be disbursed by the Central Government to the concerned sugar undertaking or paid by it to the financial institutions for disbursement to the concerned sugar undertaking, either in lump sum or in two or more instalments as may be considered necessary by the Central Government, after an agreement is executed between the Central Government, the concerned State Government, the participating financial institutions or scheduled banks and the sugar undertaking concerned.

(ii) The agreement referred to in clause (i) of this sub-rule shall contain the terms and conditions with regard to the period of repayment including the number and amount of instalments, payment of interest, the manner of such repayment or payment and any other matter incidental to the loan.

(iii) The loan from the Fund shall carry a concessional rate of simple interest of six per cent per annum and in case of any default in repayment of the amount of loan, or payment of any instalment thereof or interest thereon, an additional interest at the rate of two and half per cent per annum of the amount of default shall be payable by the sugar undertaking.

(iv) The repayment of the loan for modernization or rehabilitation together with interest thereon, shall commence after the expiry of such period as may be decided by the Central Government after due

verification by financial institution subject to a maximum of five years, reckoned from the date of disbursement of the loan from the Fund and the loan from the Fund along with the interest due thereon, shall be recoverable in half-yearly instalments not exceeding ten in number.

(v) The financial institution shall, within thirty days of receipt of any amount from the loanee sugar undertaking by way of repayment of loan from the Fund, payment of interest thereon, or any other receipts, credit the said amount to the Fund.

- (12) The Central Government may, after consideration of the recommendation of the Committee for rehabilitation and any other relevant fact in respect of a project for sugarcane development authorize payment to a sugar undertaking of such amount of loan not exceeding ninety per cent of the eligible project cost and not exceeding the amount, if any, specified under rule 17;

Provided that the loan from the Fund shall be granted only if the sugar undertaking or the concerned State Government contributes a minimum of ten per cent of the project cost from its own resources:

Provided further that the loan from the Fund shall not be granted for the purpose of repayment of any loan in any form availed by the sugar undertaking or interest on any such loan in any form, whether availed from the Fund or from financial institutions, banks or any other agency including Government:

Provided also that the loan from the Fund shall be granted only if the sugar undertaking has repaid all the sums, which have become due in respect of the Fund and the Levy Sugar Price Equalisation Fund.

(13) (i) The loan for sugarcane development shall be disbursed to the concerned sugar undertaking after a tripartite agreement is executed between the Central Government, the concerned State Government and the sugar undertaking.

(ii) The tripartite agreement referred to in clause (i) of this sub-rule shall contain the terms and conditions as the Central Government may decide in consultation with the State government such as monitoring of the progress of the project by a research institute or any other organization as may be decided by the Central Government, repayment of the loan with interest, remittance to the credit of the Fund, utilization certificate by the concerned State Government and any other matter incidental to the loan.

(iii) the loan from the Fund shall carry a concessional rate of simple interest of six per cent per annum and in case of any default in repayment of the amount of loan, or payment of any instalment thereof or interest thereon, an additional interest at the rate of two and a half per cent per annum on the amount of default shall be payable by the sugar undertaking.

(iv) The repayment of loan for sugarcane development together with interest thereon shall commence on the expiry of moratorium period of one year reckoned from the date of disbursement of the loan and shall be repaid in equal half-yearly instalments not exceeding eight in number and interest thereon shall be paid half-yearly after the expiry of one year from the date of disbursement of the loan.

6. In the said rules, after form-II and annexures thereof, the following Form –II A and annexures shall be inserted, namely: -

“ FORM – II A
[See rule 21 (4)]

**Application for financial assistance from Sugar Development Fund
towards promoter's contribution for financing modernization/
rehabilitation scheme**

1. Name of applicant:
2. Address:
 - (i) Registered Office:
 - (ii) Location of the factory:
3. Constitution (whether co-operative society, private/ public Ltd. company, Joint Sector/ Public Sector Company):
4. Date of Incorporation/ Registration
5. Management:
 - (a) Board of Directors:
 - (b) Executive set-up
6. Particulars of the order of the Board For Industrial and Financial Reconstruction on the rehabilitation scheme sanctioned by it/ recommendations of the Committee for rehabilitation (enclose a copy of the Board For Industrial and Financial Reconstruction Order/ recommendation of the Committee for rehabilitation):
7. Brief description of the proposed project (Enclose a copy of the Project Report):
8. Actual performance and expected performance on completion of the Scheme/ project for which this loan application has been made please indicate in the manner below:

| (A) Sallent production and Operation Results | (a) Actual Performance | (b) expected on completion of the scheme/ project for which loan application has been made |
|---|---------------------------|---|
| | Year ended | |
| | 19 | 20 20 |
| (1) Licensed crushing capacity (TCD) | | |
| (2) Installed crushing capacity (TCD) | | |
| (3) Area under sugarcane (Acres) | | |
| (4) Average yield (tones/ acres) | | |
| (5) Total production of sugarcane in the area (lakh tones) | | |
| (6) Gross duration of the season (days) | | |
| (7) Net duration of the season (days) | | |
| (8) Percentage of hours lost to total available hours | | |
| (9) Average daily rate of crushing (tones) | | |
| (a) Including stoppages | | |
| (b) Excluding Stoppages | | |
| (10) Total cane crushed ((lakh tones) | | |
| (11) PoI %cane | | |
| (12) Total sugar losses% cane | | |
| (13) Average sugar recovery % | | |
| (14) Total sugar produced (Quintals) | | |
| (15) Reduced mill extraction (%) | | |
| (16) Reduced boiling House Extraction (%) | | |
| (17) Reduced Overall Extraction (%) | | |
| (18) Extra Fuel consumption % cane | | |

NOTE: (i) In case of the performance has not been up to the accepted norms and if ther has been wide fluctuation in the performance, please state the reasons, in brief.

NOTE: (ii) Please furnish Installed capacity, Production and efficiency figures in respect of other activities, if any, such as distiller, paper unit etc.

(B) Working results:

- (1) Net Sales
- (2) Gross Profit/ loss
- (3) Interest on: -
 - (a) Term loans
 - (b) Working capital
 - (c) Total
- (4) Depreciation
- (5) Operation profit (loss)
- (6) Tax
- (7) Net Profit/ Loss
- (8) Cash accruals
- (9) Applicable statutory cane price fixed by the Government of India (Rupees per quintal)
- (10) Actual cane price paid (Rupees per quintal)

(C) Financial position

- (1) (a) Gross fixed assets including work in progress
- (b) Less Depreciation
- (2) Net fixed assets
- (3) Investments
- (4) Current Assets
- (5) Current Liabilities
- (6) Net Working Capital [(4) minus (5)]
- (7) Net tangible assets [(2)+(3)+(6)]
- (8) Long-term liabilities
- (9) Shareholder's worth [(7) minus 98)]
- (10) Share capital including share suspense and non-refundable deposits
- (11) Reserves and surplus
- (12) Deficit In Profit and Loss Account and Intangible assets.
- (13) Net Worth [(10)+(11)minus(12)]

9. Whether the project has been approved by the All-India Financial Institutions/ scheduled banks/ Technology Information, Forecasting and Assessment Council (TIFAC) for assistance under the SDF: -
 - (a) If so, enclose a certified true copy of the "Letter of Intent" issued by the Lead Institution
 - (b) List out any condition (s) of material nature stipulated by the Lead Institutions including Rate of interest, repayment period and security:
10. (a) What are the reliefs or concessions from the Central Government, State Government, Financial Institutions, Scheduled Bank, Other Banks, financial institutions or donations from the employees of the sugar undertaking & other agencies, if any included in the Order of the BIFR/ recommendation of the Committee for rehabilitation.
- (b) Whether the concerned agencies have agreed to provide these reliefs/ concessions to the sugar undertaking? If so, copies of the consent letters from the concerned agencies are to provide along with this application form.
11. Measures proposed to be taken by the sugar undertaking for rationalization of manpower and for reducing expenditure, particularly overheads.
12. Cost of the project (as approved by the all-India Financial Institutions/ scheduled banks/ Technology Information, Forecasting and Assessment Council (TIFAC). Please furnish break-up and certified true copy of the approval.
13. Means of Financing, Debt-Equity Ratio and Security margin (as approved by the all-India Financial Institutions/ scheduled banks/ Technology Information, Forecasting and Assessment Council (TIFAC).

14. Percentage and amount of Promoter's Contribution stipulated by the all-India Financial Institutions/ scheduled banks/ Technology Information, Forecasting and Assessment Council (TIFAC).
 15. Amount of assistance required from Sugar Development Fund towards promoter's Contribution along with justification therefore having regard to the financial position/ Resourcefulness of the applicant concern/ its promoters.
 16. Security proposed to be provided for the loan applied for : -
 - (a) Bank Guarantee
 - (b) State Government Guarantee
 - (c) Creation of charge on assets
 17. Schedule of Implementation of the project
 18. Please furnish a summary of the projected profitability/ cash flow statements for 10 years after completion of the scheme (in the proforma at Annexure -I and II) along with critical assumptions.
- Place: _____ Signed by: _____
Date: _____ Name: _____
Designation: _____
Name and address of the sugar undertaking (Occupier) _____

ANNEXURE-I TO FORM-II-A

Name of the concern/Society _____

Summary of Projected profitability and cash flow
(This statement should be prepared for a period of 10 years)
(Amount in Rupees in lakhs)

| Year | 20 | 20 | 20 | 20 | 20 |
|---|----|----|----|----|----|
| No. of working days | | | | | |
| % output to installed capacity production (quantity) | | | | | |
| 1. Net sales (exclusive of excise duty) | | | | | |
| 2. Gross operating profit before depreciation, interest, (on term loans and deferred Payments), management remuneration, Sde Selling Agency Commission and Tax. | | | | | |
| 3. Depreciation | | | | | |
| 4. Interest (on term loans/deferred Payments) | | | | | |
| 5. Management remuneration | | | | | |
| 6. Selling Agency Commission | | | | | |
| 7. Operative Profit before tax [2 minus (3+4+5+6)] | | | | | |
| 8. Non-operating income | | | | | |
| 9. Profit before tax (7+8) | | | | | |
| 10. Tax | | | | | |
| 11. Net profit after tax (9 minus 10) | | | | | |
| 12. Development rebate reserve/Investment Allowanced Reserve | | | | | |
| 13. Net distributable profit (11 minus 12) | | | | | |
| 14. Gross cash flow (3+12+13) | | | | | |

15. Preferable dividend-
 - a) Amount
 - b) Rate
16. Equity dividend-
 - a) Amount
 - b) Rate
17. Retained profit [13 minus (15+16)]
18. Net cash flow [14 minus (15+16)]
19. Funds available to pay Interest (11+4)
20. Interest coverage (19+4)
21. Cash available for debt service (14+4)
22. Total debt deferred service (instalments of term loans, deferred payments and interest on terms loans and deferred payments falling due in the year)
23. Debt Service Coverage (21+22)
Profitability Ratios
24. Percentage of operating profit before tax to net sales
25. Return on capital employed
26. Percentage of profit after tax to equity capital
27. Investment output Ratio Capital employed to sales ratio, investment output ratio
28. Gross value added to net sales (%)

Note:- Items 27 and 28 shall be computed in the same manner as done for the purpose of securing loan under the soft loan scheme of the financial institutions.

Place :
Date :

Signed by :
Name
Designation
Name and address of the
Sugar undertaking
(Occupier)

ANNEXURE – II TO FORM – II – A**CASH FLOW STATEMENT**

(This statement should be prepared for a period of 10 operating years)

(In thousands of rupees)

| Construction period | Operating years |
|---------------------|-----------------|
| (Half-yearly) | |
| 20 | 20 |

SOURCES OF FUNDS

1. Share issue
 2. Profit before taxation with interest added back
 3. Depreciation Provision for the year
 4. Development rebate reserve/ investment Allowance Reservef.
 5. Increase in secured medium and long-term borrowings for the projects.
 6. Other medium/ long-term loans.
 7. Increase in unsecured loans and deposits.
 8. Increase in liabilities for deferred payment (including interest) to machinery suppliers.
 9. Sale of fixed assets
 10. Sale of investment
 11. Other income (indicate details)
- Total (A)

(in thousands of rupees)

| Construction period | Operating years |
|---------------------|-----------------|
| (Half-yearly) | |
| 20 | 20 |

DISPOSITION OF FUNDS

1. Capital expenditure for the project
2. Other normal capital expenditure
3. Increase in working capital
4. Decrease in secured, medium and long-term borrowings
 - ~All India Institutions
 - ~State Financial Corporations
 - ~Banks
5. Decrease in unsecured loans and deposits.
6. Decrease in Bank Borrowings for working capital.
7. Decrease in liabilities for deferred payments (including interest) to machinery suppliers.
8. Increase in investment in other companies
9. Interest on term loans.
10. Interest on bank borrowings for working capital.
11. Taxation
12. Dividends-Equity Preference
13. Other expenditure (Indicate details)

Total (B)

14. Opening Balance of Cash in Hand and at bank
15. Net surplus/ deficit (A- B)
16. Closing balance of Cash in hand and at Bank

NOTE: -

1. Detailed working of the figures shown should be provided.
2. Borrowing (As well as repayments) for the project and for other purposes should be shown separately.

Place:

Signed by:

Name:

Date:

Designation:

Name and address of the sugar undertaking (Occupier).

7. In the said rules, after Form –III A, the following Form –III B shall be inserted, namely: -

FORM – III-B
[See rule 21 (5)]

Application for financial assistance for sugarcane development

(To be submitted through the State Government)

1. Name and address of the sugar undertaking
2. Year of installation
3. Constitution (Whether co-operative society, Private/ Public Ltd. Company, Joint Sector/ Public Sector Company)
4. Cane crushing capacity (tones per day)
5. Quantity of cane crushed during the preceding three sugar years
6. Purpose for which loan is applied for (enclose a detailed report on the project/ scheme proposed to be implemented)

Preceding 3 sugar seasons

Year Year Year

7. (a) Area under sugarcane (hectares)
- (b) Average Yield (tones per hectare)
- (c) Total production of sugarcane in the area (in lakh tones)
- (d) Gross duration of the season (days)
- (e) Net duration of the season (days)

8. Expected benefits on completion of the sugarcane development scheme/ project for which loan is applied for
 - (a) Increase in the area of sugarcane (hectares)
 - (b) If change in cane varieties is proposed to be undertaken and if so, furnish details of the same.
 - (c) Expected average yield (tones per hectare)
 - (d) Expected increase in total production of sugarcane in the area (in lakh tones) as compared to 7 (c) above.
 - (e) Expected improvement in recovery percent cane
9. Measures for monitoring of proposed sugarcane development scheme:
 - (a) Whether technically qualified persons are available with sugar undertaking, and if so, details of their qualifications & experiences.
 - (b) Mechanism and system of reporting of the progress of sugarcane development scheme to the monitoring agency, as may be decided by the Central Government and to the State Government.
10.
 - (a) Whether grant of loan from the SDF for modernization/rehabilitation/ technology upgradation of the plant and machinery of the sugar undertaking has been recommended by the BIFR or the Committee for rehabilitation.
 - (b) If so, has the sugar undertaking applied for such a loan from the SDF.

11. (a) What are the reliefs/concessions from various agencies including FIs/ Banks/ Central Government/ State Government/ donations from the Employees of the sugar undertaking included in the rehabilitation scheme recommended by the BIFR/ the Committee for rehabilitation?

(b) Whether the concerned agencies have agreed to provide the reliefs/ concessions to the sugar undertaking. Enclose copies of letters received from the concerned agencies.
12. Measures proposed to be taken by the sugar undertaking for rationalization of manpower and for reducing expenditure, particularly overheads.
13. Details of assistance available from agencies other than the Central Government for the project/ scheme for which this loan has been applied.
14. Reasons, if any, for not availing of such assistance.
15. (a) How much of the cane area has been allotted to the sugar undertaking by the State Government?

(b) Period for which the cane area has been allotted to the sugar undertaking?

(c) Whether the cane area allotted to the sugar undertaking is adequate for achieving the expected benefit on completion of the scheme?
16. Whether the proposed project/ scheme is covered in full or in part by any scheme of the State Government or any other agency for the development of sugarcane in the area of the applicant sugar undertaking.

17. Amount of loan applied for
18. Means of financing the total cost of implementation of the project/ scheme
19. Security proposed to be provided for the loan sought
20. Proposed mode of repayment of the loan

Place: -

Signature:

Date: -

Name and Designation:

Name and address of the sugar undertaking

[F No 1-3/2001-SDF]

R N DAS, Jt Secy

NOTE:- The principal rules were published in the Gazette of India Vide number GSR 752 (E) dated 28.09.1983 and subsequently amended vide: -

- | | |
|--------|------------------------------|
| (i) | GSR 817 (E) dated 20.12.1984 |
| (ii) | GSR 838 (E) dated 14.11.1985 |
| (iii) | GSR 551 (E) dated 06.05.1988 |
| (iv) | GSR 235 (E) dated 24.04.1991 |
| (v) | GSR 441 (E) dated 28.04.1992 |
| (vi) | GSR 435 (E) dated 06.05.1994 |
| (vii) | GSR 27 (E) dated 12.01.1996 |
| (viii) | GSR 656 (E) dated 21.11.1997 |
| (ix) | GSR 91 (E) dated 12.02.2001 |
| (x) | GSR 886 (E) dated 06.12.2001 |
| (xi) | GSR 443 (E) dated 21.06.2002 |